Hindustan Socialist Republican Association (1928)

- **Establishment: 1928** (स्थापना : 1928)
- **Main Leaders: Chandra Shekhar Azad, Bhagat Singh, Sukhdev, Rajguru etc.**
- प्रमुख नेता : चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू आदि
- **Venue: Firoz shah Kotla (Delhi)**
- स्थान : फ़िरोज़शाह कोटला (दिल्ली)

- J P Saunders as killed by Bhagat Singh on 17th December 1928.
- जे. पी. सॉन्डर्स की हत्या भगत सिंह द्वारा 17 दिसंबर 1928 को की गई।
- As a result, later on some time Bhagat Singh, Sukhdev and Rajguru were hanged on 23rd March 1931. (इसके परिणामस्वरूप कुछ समय बाद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 23 मार्च 1931 को फाँसी दे दी गई।)

Bhagat Singh Surrender (भगत सिंह का सरेंडर (आत्मसमर्पण):)

- Date: 8th April 1929 / तारीख: 8 अप्रैल 1929
- Venue: Central Legislative assembly
- स्थान: सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली
- Reason: Thrown Crude bomb and leaflets into Assembly.
- कारण: असेंबली के भीतर क्रूड बम (कच्चा बम) और पर्चे (leaflets) फेंकना

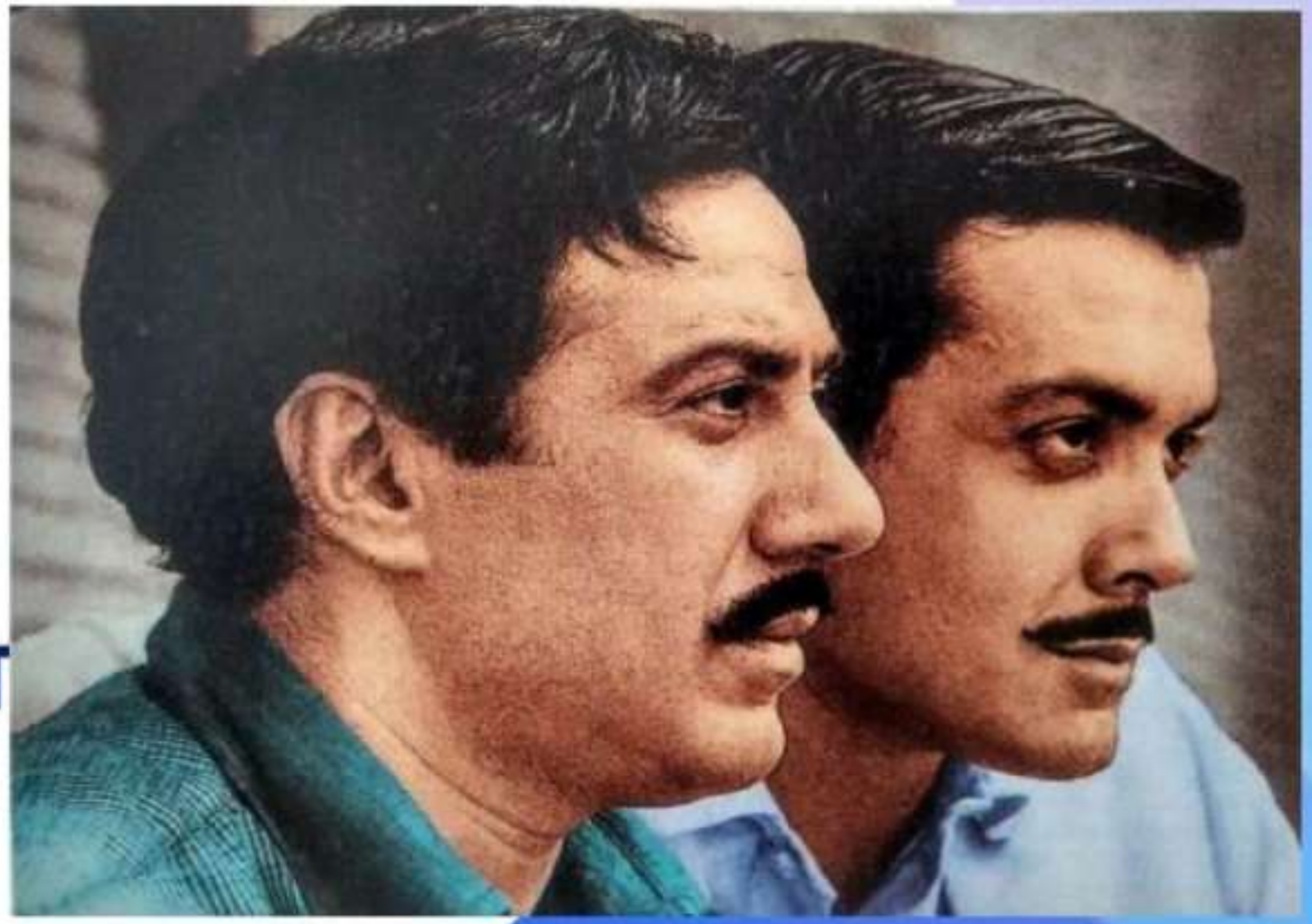

24 March 1931 27 feb

Bhagat Singh Jail Tenure

- **According to AG Noorani's bestselling book on the trial of Bhagat Singh, Sobha Singh had later testified in court as a prosecution witness. He claimed to have seen the two youth throw the bombs.** (ए. जी. नूरानी की भगत सिंह के मुक़दमे पर आधारित बेस्टसेलिंग पुस्तक के अनुसार, सोभा सिंह ने बाद में अदालत में अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में गवाही दी। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने दो युवकों को बम फेंकते हुए देखा था।)

- Bhagat Singh underwent a hunger strike in the Mianwali Jail, now in Pakistan, for 112 days, one of the world's longest hunger strikes at that time. Bhagat Singh, along with other inmates, demanded the status of 'political prisoners' and other basic amenities in jail.
- भगत सिंह ने मियाँवाली जेल (जो अब पाकिस्तान में है) में 112 दिनों तक भूख हड़ताल की—जो उस समय विश्व की सबसे लंबी भूख हड़तालों में से एक थी।
भगत सिंह ने अन्य कैदियों के साथ मिलकर 'राजनीतिक कैदी' का दर्जा और जेल में अन्य बुनियादी सुविधाओं की माँग की थी।

Bhagat Singh

- Bhagat Singh was an Indian socialist revolutionary whose two acts of dramatic violence against the British in India and execution at age 23 made him a folk hero of the Indian independence movement./ भगत सिंह एक भारतीय समाजवादी क्रांतिकारी थे जिनके द्वारा ब्रिटिश शासन के विरुद्ध किए गए दो नाटकीय हिंसात्मक कार्यों और मात्र 23 वर्ष की आयु में उनकी फाँसी ने उन्हें भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक लोकनायक (लोक नायक) बना दिया।
- Born: 28 September 1907, Banga, Pakistan
- जन्म: 28 सितंबर 1907, बाँगा (अब पाकिस्तान)
- Died: 23 March 1931, Lahore Central Jail, Lahore, Pakistan
- Education: National College, Lahore, Dayanand Anglo-Vedic Schools System / शिक्षा: नेशनल कॉलेज लाहौर, दयानंद एंग्लो-वैदिक स्कूल सिस्टम
- Parents: Sardar Kishan Singh Sandhu, Vidyavati
- माता-पिता: सरदार किशन सिंह संधू, विद्यावती

Alfred Park

- It is the biggest park in Allahabad. It was renamed after freedom fighter Chandra Shekhar Azad, who sacrificed his life here, during the Indian independence struggle in 1931. / यह इलाहाबाद का सबसे बड़ा पार्क है। इसका नाम स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आज़ाद के नाम पर रखा गया, जिन्होंने 1931 में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यहीं पर अपने प्राणों की आहुति दी थी।

नमक 1930 → Civil Disobidient
सविनय अवज्ञा

- Salt Satyagraha was a major non-violent civil disobedience movement led by Mahatma Gandhi against the British monopoly on salt production and taxation. (नमक सत्याग्रह महात्मा गांधी द्वारा ब्रिटिशों के नमक उत्पादन और कर पर एकाधिकार के खिलाफ चलाया गया एक प्रमुख अहिंसक सविनय अवज्ञा आंदोलन था।)
- The British imposed a heavy salt tax, even though salt was a basic necessity for all, especially the poor. (ब्रिटिश सरकार ने नमक पर भारी कर लगाया हुआ था, जबकि नमक एक मूलभूत आवश्यकता थी, विशेषकर गरीबों के लिए।)

- Launched on 12 March 1930 as part of the Civil Disobedience Movement. / 12 मार्च 1930 को सविनय अवज्ञा आंदोलन के भाग के रूप में इसकी शुरुआत हुई।
- Emphasized non – violence and mass participation.
- इसने अहिंसा और जन–भागीदारी पर विशेष जोर दिया।
- Encouraged Indians to break the salt law, stop paying taxes, boycott British goods, resign from government posts, and refuse to cooperate with colonial rule. (गांधीजी ने भारतीयों को प्रेरित किया कि वे नमक कानून तोड़ें, करों का भुगतान बंद करें, ब्रिटिश वस्तुओं का बहिष्कार करें, सरकारी पदों से इस्तीफ़ा दें, और औपनिवेशिक शासन से असहयोग करें।)

Dandi March

- The salt Satyagraha began with the historic Dandi March, where Gandhi walked from Sabarmati Ashram (Ahmedabad) to Dandi, a coastal village in Gujrat. (नमक सत्याग्रह की शुरुआत ऐतिहासिक दांडी मार्च से हुई, जिसमें महात्मा गांधी साबरमती आश्रम (अहमदाबाद) से गुजरात के तटीय गाँव दांडी तक पैदल चले।)
- Start date (प्रारंभ तिथि): 12 Mar 1930
- End date (समाप्ति तिथि): 6 Apr 1930
- Distance (दूरी) : 240 Miles (390 KM)
- Participants : Gandhi + 78 selected volunteers (satyagrahis).
- प्रतिभागी: गांधीजी + 78 चयनित स्वयंसेवक (सत्याग्रही)

Impact

- **The movement spread like wildfire across India ; people made salt, boycotted foreign cloth, and refused to pay taxes.** (यह आंदोलन पूरे भारत में तेजी से फैल गया; लोगों ने नमक बनाया, विदेशी कपड़ों का बहिष्कार किया और कर (टैक्स) देने से इंकार कर दिया।)
- **British government responded with mass arrest – over 40,000 people, including Gandhi.** (ब्रिटिश सरकार ने बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियाँ शुरू कीं – 40,000 से अधिक लोगों को, जिनमें गांधीजी भी शामिल थे, गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा।)
- **It became one of the most successful mass movements in India's freedom struggle.** (यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे सफल जन–आंदोलनों में से एक बन गया।)
- **Led to the Gandhi – Irwin Pact (1931) and Gandhi's participation in the Second Round Table Conference.** (इसके परिणामस्वरूप गांधी–इरविन समझौता (1931) हुआ और गांधीजी ने द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।)

After the arrest of Gandhi ji, who led the Salt March ?